पशुपालन विभाग, उत्तराखण्ड का आउटकम बजट वर्ष 2017–18 (धनराशि लाख रू0 में)

क्रं. सं.	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य/आउटकम	आउट ले 2017–18		परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट पुट	समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत				
1	2	3	4	5	6	7	8	9
राज्य सैक्टर								
1	निदेशालय (अधिष्ठान)	विभागीय संस्थाओं हेतु औषधि/ पशुधन हेतु आहार आदि की व्यवस्था तथा राज्य मण्डल तथा जनपद स्तरीय कार्यालयों के कार्यो का संचालन।	17247.28	0.00	लगभग 3000 कार्मिकों का अधिष्ठान	निरन्तर	राज्य के पशु चिकित्सालयों व भेड़, पशुधन, सूकर, बकरी प्रक्षेत्रों व संस्थाओं के नैतिक कार्यों का संचालन व उपचार तथा रोग नियंत्रण से उत्पादकता में वृद्धि ।	निरन्तर
2	प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सुदृढ़ीकरण	कार्मिकों को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान कर कार्यकुशलता में वृद्धि करना।	5.00	0.00	प्रशिक्षणों की संख्या–06 कार्मिक संख्या–50	निरन्तर	प्रशासनिक एवं तकनीकि कार्य कुशलता, दक्षता में वृद्धि कर रोग नियन्त्रण व पशु उत्पादकता में वृद्धि कर आय सृजन।	निरन्तर
3	पशु चिकित्सालयों में शल्य चिकित्सा आदि की सुविधा	राज्य में गम्भीर रूप से बीमार व दुर्घटनाग्रस्त पशुओं को शल्य चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना।	20.00	0.00	योजनान्तर्गत पाँच पशु चिकित्सालयों द्वारा एक्सरे/ अल्ट्रासाउन्ड आदि सुविधा प्रदान करने हेतु आधुनिक उपकरणों की व्यवस्था।	निरन्तर	असाध्य एवं गम्भीर रोगों के उपचार/ निदान की सुविधायें उपलब्ध कराने हेतु आधुनिक शल्य केन्द्रों की स्थापना करना, जिससे पशुओं की उत्पादकता में वृद्धि हो।	निरन्तर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
4	पशु चिकित्सालयों/ पशु सेवा केन्द्रों की स्थापना (रा0सै0)	पशुपालक के पशुओं को सभी विभागीय सुविधायें निकटतम स्थान पर उपलब्ध कराने हेतु कार्मिकों की पदस्थापना एवं औषधि इत्यादि की व्यवस्था।	226.97	0.00	118 कार्मिकों का अधिष्ठान योजनान्तर्गत दो पशु चिकित्सालय एवं 110 पशु सेवा केन्द्र, 5.50 लाख पशुओं की चिकित्सा	निरन्तर	पशुपालकों को अपने निवास के निकट संस्थाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कर तकनीकी सुविधायें उपलब्ध कराकर **"सेवा का सघनीकरण"** करना।	निरन्तर
5	राज्य सेक्टर योजनान्तर्गत विभिन्न निर्माण कार्य	नवसृजित निदेशालय के कार्यालय/ आवासीय भवन की व्यवस्था।	0.00	150.00	पशुपालन निदेशालय का प्रशासनिक भवन आवास व मण्डल स्तरीय कार्यालयों का भवन निर्माण।	एक वर्ष	कार्यालय एवं आवास हेतु अवस्थापना विकास।	एक वर्ष
6	पशु चिकित्सालयों, पशु सेवा केन्द्रों के भवन निर्माण (रा0सै0)	विभागीय भवनों का निर्माण कर पशुपालकों को तकनीकी सेवा /आकस्मिक सेवायें उपलब्ध कराना।	0.00	125.01	05 पशु सेवा केन्द्रों को विभागीय भवनों में व्यवस्थित करना, अवस्थापना विकास।	एक वर्ष	विभागीय भवनों में आधुनिक उपकरण स्थापित कर आधुनिक चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध कराना।	एक वर्ष
7	पशुलोक में व्यावहारिक प्रशिक्षण हेतु डेयरी यूनिट की स्थापना	पशुधन प्रसार अधिकारी प्रशिक्षुओं को व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान कराना।	12.00	0.00	डेयरी यूनिट–एक गायों की संख्या–75 दुग्ध उत्पादन– 30 हजार कि.ग्रा.	निरन्तर	प्रशिक्षु प0प्र0अ0 व सेवारत कार्मिकों को तकनीकी व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान कर कार्य कौशलता व दुग्ध उत्पादन में वृद्धि	निरन्तर
8	बद्री नस्ल के गायों के संरक्षण एंव संवर्धन की योजना	उत्तराखण्ड की बद्री प्रजाति की गाय का संरक्षण व संवर्धन।	70.00	50.00	50 बद्री गाय का क्रय व रख–रखाव।	निरन्तर	चयनित प्रजनन से उच्च गुणवत्ता परक बद्री सॉडों का वितरण व स्थानीय नस्ल की दुग्ध उत्पादकता में वृद्धि।	निरन्तर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
9	अहिल्याबाई होल्कर भेड़ बकरी विकास योजना	स्वरोजगार हेतु भेड व बकरी इकाईयों की स्थापना।	182.16	0.00	196 भेड़–बकरी पालन इकाईयों की स्थापना करना।	निरन्तर	भेड़, बकरी पालन को बढावा देना, मांस उत्पादन में वृद्धि करना व स्वरोजगार उपलब्ध कराना। मांस उत्पादन में वृद्धि	निरन्तर
10	राज्य पशुधन एवं कृषि संबंधी प्रक्षेत्र	01 योजनान्तर्गत अंगोरा बकरी प्रक्षेत्र एवं 02 पशुधन प्रक्षेत्रों के पशुओं हेतु आवश्यक दवा, पशु आहार आदि की व्यवस्था।	576.53	0.00	लगभग 70 कार्मिकों का अधिष्ठान।प्रक्षेत्रों को मॉडल यूनिट के रूप में पशुपालकों के भ्रमण/प्रशिक्षण हेतु विकसित कर नवीनतम तकनीकि जानकारी उपलब्ध कराना।	निरन्तर	कृषि प्रक्षेत्रों से चारा बीज/जडों की उपलब्धता सुनिश्चित करना एवं उत्तम नस्ल के सांड/बकरा सांड अंगोरा, पशुपालकों हेतु उपलब्ध कराना व पशुपालकों के कौशल विकास में वृद्धि। अंगोरा बकरी प्रक्षेत्र–1 पशुधन प्रक्षेत्र–2।	निरन्तर
11	पशुओं को विभिन्न रोगों के संक्रमण से बचाने की योजना	पशुपालक के पशुओं का संक्रामक बीमारियों से बचाव तथा रोग नियंत्रण।	10.00	0.00	आकस्मिकता की स्थिति में जीवन रक्षक औषधि इत्यादि का क्रय व भण्डारण।	निरन्तर	प्रदेश के पशुओं को संक्रमित रोगों से रोग मुक्त करना।	निरन्तर
12	गौसदनों की स्थापना–	निराश्रित/गौवंशीय पशुओं को संरक्षण प्रदान करना।	40.00	0.00	21 पंजीकृत स्वयंसेवी संस्थाओं, गौसदनों के पशुओं के भरणपोषण हेतु आर्थिक सहायता प्रदान करना। निराश्रित पशुओं की संख्या–4282	निरन्तर	बीमार, अशक्त, पशुओं को उचित शरणस्थली प्रदान करना तथा दुर्धटना आदि को रोकना जनस्वास्थ्य एवं यातायात को प्रभावित होने से रोकना, गौवंश संरक्षण।	निरन्तर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
13	केदारनाथ आपदा 2013 में विधवा हुई महिलाओ को गाय वितरण की योजना	आजीविका उत्थान तथा स्वरोजगार प्रदान करना।	0.01	0.00	लाभार्थियों का जीवन उत्थान व स्वरोजगार प्रदान करना।	एक वर्ष	आपदा पीडित क्षेत्रों में पशुपालन को बढावा देते हुए दुग्ध उत्पादन में वृद्धि व संतुलित भोजन उपलब्ध कराना	एक वर्ष
14	विकासखण्ड धारचूला /मुनस्यारी के पशुपालकों की आजीविका उत्थान	अति दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों के लोगों को पशुपालन की ओर प्रोत्साहित कर आजीविका उत्थान।	20.00	0.00	पशुपालन में स्वरोजगार उपलब्ध कराकर पशुपालकों की आर्थिकी में सुधार लाना। गाय, बकरी, भेड, खच्चर, बकरा सॉड व मेढा प्रत्येक की 4–5 इकाई व कुक्कुट 500 इकाई की स्थापना करना	एक वर्ष	पशुपालन में स्वरोजगार से आर्थिकी में सुधार व पलायन पर अंकुश हेतु। भेड़, बकरी प्रजाति में नस्ल सुधार कर पशुपालक की पोषकता में वृद्धि के साथ ही संतुलित आहार की उपलब्धता।	एक वर्ष
15	महिला बकरी पालन योजना	अशक्त, विधवा महिलाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराना।	30.00	0.00	75 बकरी पालन इकाईयों स्थापना।	एक वर्ष	आजीविका उत्थान व स्वरोजगार उपलब्ध कराना। मॉस उत्पादन 0.174 लाख कि0ग्रा0, दुग्ध उत्पादन–0.100 हजार मी0टन, उत्पन्न संतति–864।	एक वर्ष
16	राज्य में ऊन कतरन एंव विपणन योजना	नवीन तकनीक से कौशल वृद्धि।	25.00	0.00	58 भेड पालकों को प्रशिक्षण,ऊन क्रय हेतु रिवाल्विंग फंड की व्यवस्था	एक वर्ष	स्थानीय ऊन का क्रय व विपणन की व्यवस्था व भेड पालकों का कौशल विकास।	एक वर्ष

1	2	3	4	5	6	7	8	9
17	बकरी पालन योजना	कृषकों को बकरी पालन की ओरप्रोत्साहित कर आजीविका उत्थान व स्वरोजगार उपलब्ध कराना।	110.00	0.00	लगभग 174 लाभार्थियों को बकरी पालन में स्वरोजगार उपलब्ध कराना मांस उत्पादन– 1.697 लाख कि0ग्रा0, दुग्ध उत्पादन– 1. 181 हजार मी0टन, उत्पन्न संतति–10200।	निरन्तर	बकरी पालन को बढावा देना व स्वरोजगार उपलब्ध कराना।मांस उत्पादन में वृद्वि करना। वर्ष 2020 तक मांस उत्पादन में 11.59 प्रतिशत की वृद्धि	निरन्तर
18	भेड़ पालन योजना	कृषकों को भेड़ पालन की ओर प्रोत्साहित कर आजीविका उत्थान व स्वरोजगार उपलब्ध कराना।	56.00	0.00	लगभग 88 लाभार्थियों को भेड़ पालन में स्वरोजगार उपलब्ध कराना मांस उत्पादन– 0.470 लाख कि0ग्रा0, ऊन उत्पादन–4. 596 ह0कि0ग्रा0, उत्पन्न संतति–5560।	निरन्तर	भेड पालन को बढावा देना व स्वरोजगार उपलब्ध कराना साथ ही ऊन, में वृद्वि करना। वर्ष 2020 तक ऊन उत्पादन में 17. 15 प्रतिशत की वृद्धि	निरन्तर
19	गो पालन योजना	कृषकों को गौपालन की ओर प्रोत्साहित कर आजीविका उत्थान व स्वरोजगार उपलब्ध कराना।	235.00	0.00	लगभग 652 लाभार्थियों को गौ पालन में स्वरोजगार उपलब्ध कराना दुग्ध उत्पादन–4.464 ह0मी0टन नर–744, मादा–744,	निरन्तर	गौ पालन को बढावा देना व स्वरोजगार उपलब्ध कराना, दुग्ध उत्पादन में वर्ष 2020 तक 21.14 प्रतिशत की वृद्धि	निरन्तर
20	चारा बैंकों (भण्डारण एंव वितरण गृह) की स्थापना	न्याय पंचायत स्तर पर संपीडित सुपाच्य चारा उपलब्ध कराना।	70.00	0.00	लगभग 05 न्याय पंचायतों में चारा बैंको की स्थापना करना फीड ब्लाक–64157 चाटन भेली–4042 का विपणन	निरन्तर	सुपाच्य संपीडित चारा निकटस्थ स्थान पर उपलब्ध कराकर दुग्ध उत्पादन में वृद्धि।	निरन्तर
21	भेड़ बकरी विकास एवं चारा चारागाह विकास विभाग		5.34	0.00				
	योग राज्य सैक्टर		**18941.29**	**325.01**				

1	2	3	4	5	6	7	8	9
केन्द्र पोषित योजना–								
1	उत्तराखण्ड पशुचिकित्सा परिषद–50 प्र.के.पां.	राज्य में पशुचिकित्साविदों का पंजीकरण कार्य करना।	17.94	0.02	06 कार्मिकों का अधिष्ठान पशुचिकित्साविद्ों का पंजीकरणः (नवीनीकरण–99, स्थायी– 52 व अस्थायी–74)	निरन्तर	पशुचिकित्साविदों हेतु वैधानिक संस्था का गठन कर उत्तराखण्ड़ के पशुचिकित्साविदों का पंजीकरण कर पशुपालकों को स्तरीय पशुचिकित्सा सेवा देना।	निरन्तर
2	रिन्डरपेंस्ट उन्मूलन योजना (100 प्र.के.पो.)	रिन्डरपेंस्ट रोग की उन्मूलन तथा सर्विलेंस करना।	5.04	0.00	डे0 बुक निरीक्षण–1116 तथा ग्राम सर्विलेंस कार्यक्रम–15745।	निरन्तर	प्रदेश को आर.पी. रोग से मुक्त रखना (शून्य इन्सीडेन्स)।	निरन्तर
3	पशु रोगों पर नियंत्रण हेतु राज्यों को सहायता (90 प्र.के.पो)	पशुओं हेतु विभिन्न रोगों से बचाव हेतु लाजिस्टिकस वैक्सीन का क्रय/ गोष्ठियों का आयोजन।	260.00	0.00	190 ब्लाकस्तर एंव 13 जनपद स्तरीय गोष्ठियों का आयोजन, पशु चिकित्सा–36.50 लाख, टीकाकरण–38.00 लाख FMD--48.00 लाख, BQ--4 लाख, HS-48.00 लाख,FP--1 लाख,PPR--7.1 लाख	निरन्तर	1.प्रदेश के पशुओं को संक्रमित रोगों से रोग मुक्त करना। 2. पशुओं की चिकित्सा कर उनका उत्पादन बढाना। 3. पशुपालकों में संक्रामक रोगों के प्रति जागरूकता।	निरन्तर
4	पशु रोग सूचना तंत्र (100 प्र.के.स.)	ब्लाक स्तर से राष्ट्र स्तर पर सूचनाओं का इन्टरनेट के माध्यम से प्रेषण।	3.50	0.00	95 ब्लाक स्तरीय 13 जनपद स्तरीय 02 राज्य स्तरीय कार्यालयों में ब्राड बैण्ड सुविधायुक्त कम्प्यूटर की उपलब्धता।	निरन्तर	पशु रोग सम्बन्धी त्वरित सूचनाओं का राष्ट्रीय स्तर पर संवहन तथा शीघ्र रोग की रोकथाम।सूचना संवहन–95 ब्लाक।	निरन्तर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
5	वर्तमान पशु चिकित्सालयों एवं पशु औषधालयों की स्थापना एंव सुदृढीकरण	विभागीय संस्थाओं को राजकीय भवन में व्यवस्थित करना एवं वर्तमान भवनों का सुदृढ़ीकरण कर अवस्थापना विकास।	100.00	40.00	पशु चिकित्सालयों/ पशुऔषधालयों के भवन निर्माण/सुदृढीकरण पशुचिकित्सालय–02 (नवनिर्माण) पशु औषधालय–02 (नवनिर्माण), पशुचिकित्सालय–05 (सुदृढीकरण), पशु औषधालय–08 (सुदृढीकरण), मोबाईल वेटनरी क्लीनिक–13	निरन्तर	पशुपालक को आधुनिक तकनीकी के माध्यम से निकटस्थ स्थान पर उचित चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध कराना।	निरन्तर
6	ब्रूसैला रोग नियंत्रण की योजना–90 प्र.के.स.	ब्रूसैला रोग नियंत्रण।	5.00	0.00	रोग नियंत्रण। पशु टीकाकरण–0.20 लाख	–	जूनौटिक महत्व के ब्रूसेला का रोग नियंत्रण।	–
7	पशुधन स्वास्थ्य व रोग नियंत्रण कार्यक्रम–90 प्र.के.स.	पी.पी.आर रोग पर नियंत्रण।	60.00	0.00	रोग नियंत्रण। पशु टीकाकरण–7.0 लाख।	–	भेड एवं बकरियों की मृत्यु दर में नियंत्रण कर उत्पादकता में वृद्धि।	–
8	नेशनल प्रोग्राम फार ब्रोवाईन ब्रीडिंग–के.स.	नस्ल सुधार।	100.16	0.01	कृत्रिम गर्भाधान केन्द्रों की स्थापना –50	निरन्तर	पशुओं की नस्ल सुधार हेतु कृत्रिम गर्भाधान को बढावा देना।	निरन्तर
9	नेशनल पशुधन मिशन–के0स0	नेशनल पशुधन मिशन का संचालन।	400.00	0.00	22493 पशुओं का बीमा, 26–मदर कुक्कुट पालन इकाई व 2340 कुक्कुट इकाई	निरन्तर	रिस्क मैनेजमेन्ट (पशु बीमा) चारा विकास, कौशल विकास, मदर कुक्कुट पालन इकाई स्थापना। वर्ष 2020 तक अण्डा उत्पादन में 20.78 प्रतिशत कीवृद्धि	निरन्तर
10	एन.एल.एम.के उपकंपोनेंट		211.35					

1	2	3	4	5	6	7	8	9
11	प्रदेश में पशुगणना का कार्य के.स.	पशुगणना संबंधी कार्यों का सम्पादन।	0.02	0.00	राज्य में पशुगणना का कार्य सम्पादन।	निरन्तर	विभिन्न कार्यकमों हेतु पशु संख्या संबंधी ऑकडे एकत्रित करना तथा उनका उपयोग राज्य विकास हेतु करना।	निरन्तर
12	सांख्यिकीय इकाई की स्थापना	पशुजन्य उत्पादों के अनुमानों का ऑगणन।	117.14	0.00	29 कार्मिकों का अधिष्ठान। पशुजन्य पदार्थों के ऋतुवार अनुमान निकालना।	निरन्तर	योजनाओं के आधारभूत आंकडें जुटा कर भविष्य की योजनायें बनाना।	निरन्तर
13	राष्ट्रीय पशुधन विकास योजना		500.00	0.00		निरन्तर		निरन्तर
14	नकुल स्वास्थ्य पत्र	पशुपालक के द्वार पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना।	50.00	0.00	1045000 पशुओं को यू.आई. डी. उपलब्ध कराना।	निरन्तर	दुग्ध उत्पादन में वृद्धि। वर्ष 2020 तक अनुमानित उत्पादन–2006 ह0मी0टन।	निरन्तर
15	ई–पशुधन हाट	पशु क्रय–विक्रय हेतु ई मार्केट का विकास।	0.01	0.00	पशुधन प्रक्षेत्रों पर उपलब्ध पशुधन का डाटा ई पोंटल पर अपलोड करना।	निरन्तर	प्रक्षेत्रों पर विक्रय हेतु पशु उपलब्धता को पोर्टल पर सार्वजनिक करना।	निरन्तर
16	राष्ट्रीय देशी जेनोमिक केन्द्र	देशी नस्ल की प्रजाति का संवर्धन व संरक्षण का कार्य।	0.01	0.00	कृत्रिम गर्भाधान हेतु वीर्य उत्पादन।	निरन्तर	देशी प्रजाति के संरक्षण व संरक्षण हेतु न्यूक्लियस हर्ड को व्यवस्थित करना।	निरन्तर
	योग केन्द्र पोषित योजना		**1830.17**	**40.03**				
1	**जिला सैक्टर की योजनाओं में प्रावधान**		**214.83**	**0.00**				
	कुल योग–पशुपालन		**20986.29**	**365.04**				